पर्यावरण एवं वन विभाग, बिहार सरकार

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना

बिहार सरकार

गैंडा

पटना चिड़ियाघर के

परिचय :

हाथी, गैंडा, गौर, जंगली भैंस एवं याक भारत में पाये जाने वाले Megaherbivores है। जिनमें एक सींग वाले गैंडा (One - Horned Rhinoceros: *Rhinoceros unicornis*) जिसे भारतीय गैंडा भी कहते हैं, जंगल में रहने वाले विश्व के सबसे बड़े स्थलीय जीवों में से एक है। इसके नाम Rhinoceros में "Rhino" का मतलब नाक एवं "Ceros" का मतलब सींग होता है, यानि नाक के ऊपर सींग वाला जानवर। वहीं इसके लैटिन नाम "Unicornis" जिसमे "Uni" यानि एक और "Cornis" यानि सींग अर्थात एक सींग वाला जानवर ।

RHINO

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना में गैंडा का संक्षिप्त इतिहास

सर्वप्रथम 28–05–1979 को असम से एक जोड़ा भारतीय गैंडा संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना में लाया गया। लाये गये जोड़ा में नर ''कांछा'' की उम्र लगभग दो वर्ष एवं मादा ''कांछी'' की उम्र लगभग 5 वर्ष थी। तीन वर्ष बाद 28–03–1982 को तीसरा गैंडा (नर) 'राजू' बेतिया से राहत एवं बचाव कार्यक्रम के तहत् उद्यान को प्राप्त हुआ जिसकी उम्र लगभग एक वर्ष थी। उद्यान के प्राकृतिक वातावरण एवं उत्कृष्ट प्रजनन नीतियों तथा बेहतर रख–रखाव के कारण राजू एवं कांछी के मिलन से उद्यान को दिनांक 08–07–1988 को अनमोल तोहफा के रूप में एक मादा गैंडा मिला। यह सिलसिला राजू एवं कांछी द्वारा पुनः दोहराया गया, फलस्वरूप 08–07–1991 को एक मादा गैंडा का जन्म हुआ जिससे उद्यान प्रशासन को यह एहसास हो गया कि इस उद्यान में गैंडा प्रजनन हेतु अनुकूल वातावरण है। वर्ष 1991 में कुल गैंडों की संख्या 05 हो गई जो कि उद्यान के लिए एक गौरव की बात थी। बिना किसी बाह्य सहायता के उद्यान के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगनशीलता से गैंडा प्रजनन कार्य प्रगति के पथ पर अग्रसर होने लगा। गैंडा प्रजनन में इस बात का सदा ध्यान रखा जाने लगा कि अन्तःप्रजनन न हो।

असम से प्राप्त नर गैंडा ''कांछा'' एवं लगभग 18 वर्ष की उम्र में ''कांछी'' के मिलन से वर्ष 1993 में एक नर गैंडा का जन्म हुआ। वर्ष 1988 में उद्यान में जन्मी मादा (हड़ताली) ने 09 वर्ष की उम्र में वर्ष 1997 में एक नर गैंडा को जन्म दिया। हड़ताली ने वर्ष 2012 तक कुल आठ गैंडों को जन्म दिया है।

अदला–बदली कार्यक्रम के तहत् अन्य चिड़ियाघरों (दिल्ली, कानपुर, राँची, हैदराबाद एवं यू०एस०ए०) को गैंडे उपलब्ध कराने के बावजूद आज भी संजय गाँधी जैविक उद्यान में गैंडों की संख्या 12 है जिनमें 6 नर एवं

6 मादा हैं। उद्यान ने गैंडा संरक्षण के मामले में एक अलग पहचान बनाई है।

नस्ल की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अदला–बदली कार्यक्रम में तहत दिल्ली चिड़ियाघर से एक नर गैंडा (अयोध्या) वर्ष 2005 में तथा वर्ष 2007 में 'सैनडियागो जू, कैलिफार्निया, यू०एस०ए० से एक मादा गैंडा (गैरी) मंगायी गई। गैरी गर्भवती थी एवं अपने साथ एक मादा शिशु भी लाई थी। गैरी ने 2009 में एक नर गैंडा को जन्म दिया। माह जुलाई, 2017 में एक नर तथा एक मादा गैंडे का जन्म हुआ है। असम, बेतिया, नई दिल्ली तथा सैनडियागो से प्राप्त गैंडो के प्रजनन से उद्यान के पास गैंडो की चार ब्लड लाइन उपलब्ध है।

गैंडा प्रजनन इंक्लोजर

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना में गैंडों के प्रजनन को देखते हुए केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली के द्वारा 60:40 अंशदान में रू० 387.79 लाख की लागत से एक गैंडा प्रजनन इंक्लोजर निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसका निर्माण उद्यान के पश्चिमी भाग में 54,117 वर्गमीटर में किया जाएगा।

संरक्षण स्थिति (Conservation Status)

IUCN के रेड लिस्ट के अनुसार भारतीय गैंडा "असुरक्षित" श्रेणी (Vulnerable category) में है, जबकि इसे 2006 से "लुप्तप्राय" श्रेणी (Endangered category) में शामिल किया गया है। यह CITES के परिशिष्ट–1 में सूचीबद्ध है। साथ ही भारतीय गैंडा को वन्यप्राणी (संरक्षण) अधिनियम 1972 के तहत अनुसूची–1 में रखा गया है। इसके बचाव के लिए हुए कई कार्यक्रमों के बाद इसकी स्थिति में (खासकर भारत में) बेहतर परिणाम देखने को मिले हैं।

क्रम सं.	नाम	जन्म	उम्र	लिंग
1.	हड़ताली	08.07.1988	28	मादा
2.	रानी	06.07.1991	25	मादा
3.	अयोध्या	27.12.1992	24	नर
4.	गौरी	08.08.2002	14	मादा
5.	गणेश	19.09.2004	12	नर
6.	लाली	03.12.2005	11	मादा
7.	शक्तिराज	30.10.2007	9	नर
8.	एलेक्सन	06.04.2009	7	मादा
9.	जम्बो	11.11.2011	5	नर
10.	विद्युत	06.09.2013	3	नर
11.	नामकरण किया जाना है।	08.07.2017	2 (माह)	नर
12.	नामकरण किया जाना है।	26.07.2017	2 (माह)	मादा

एक सींग वाले गैंडा (भारतीय गैंडा) की रूपात्मक विशेषताएं :

लम्बाई	:	नर - 369 से 370 से.मी. मादा - 310 से 340 से.मी.
कंधे की ऊंचाई	:	नर- 170 से 193 से.मी. मादा - 148 से 173 से.मी.
पूंछ	:	70 से 80 से.मी.
वजन	:	नर - 2200 किलो., मादा - 1600 किलो.
सींग की लम्बाई	:	अधिकतम 521 मि.मी.
रंग	:	भूरा

Present and Historical Distribution of India Rhinoceros in the wild

Global Distribution and numbers of Rhino Species

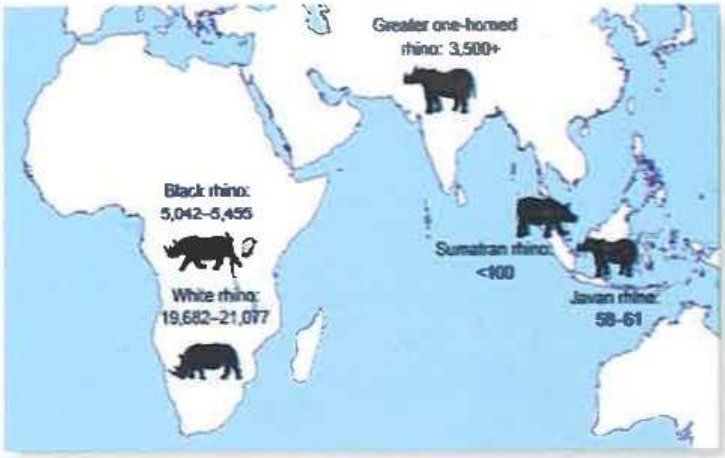

गैंडे की पांच प्रजातियाँ*

1. भारतीय गैंडा *(Rhinoceros unicornis)* कुल संख्या 3264
2. सफेद गैंडा *(Ceratotherium Simum)* कुल संख्या 20375
3. काला गैंडा *(Diceros bicornis)* कुल संख्या 5250
4. सुमात्रण गैंडा *(Dicerorhinus sumatrensis)* कुल संख्या 76
5. जावन गैंडा *(Rhinoceros sondaicus)*कुल संख्या 63

पारिस्थितिकी (Ecology)

एक सींग वाले गैंडा (भारतीय गैंडा) उत्तर-पूर्व भारत एवं दक्षिण नेपाल में बहुतायत में पाए जाते हैं। ये नदियों के किनारे घास के मैदानों में रहना पसंद करते हैं। इनका मुख्य भोजन घास, नदियों के किनारे उगे झाड़ियाँ एवं जलीय पौधो भी हैं।

लम्बी उम्र (Longevity)

जंगल में भारतीय गैंडा की अधिकतम आयु 40 वर्ष की होती है। वहीं चिड़ियाघर जैसे संरक्षित स्थानों में ये अधिकतम 47 साल की उम्र तक जीवित रह पाते हैं।

*Compiled from: African and Asian Rhinoceros- Status, Conservation and Trade. A report from the IUCN Species Survival Commission (IUCN SSC) African and Asian Rhino Specialist Groups and TRAFFIC to the CITES Secretariat pursuant to Resolution Conf. 9.14 (Rev. CoP15); Cop 17 Doc. 68, Annex5.

गैंडा

प्रजनन (Reproductive Biology)

नर भारतीय गैंडा लगभग 10 साल की उम्र में प्रजनन योग्य हो जाते हैं, वहीं मादा 5-7 साल की उम्र में प्रजनन योग्य होती है। प्रत्येक 5-8 सप्ताह में 24 घंटे के लिए प्रजनन हेतु तैयार हो जाती हैं। सामान्यत: मादा गैंडा एक बार में एक बच्चे को जन्म देती है तथा 18-20 महीने में दूसरे बच्चे के जन्म के लिए तैयार हो जाती हैं। बच्चे को संभालने व परवरिश के लिए मादा तथा अपने आधिपत्य क्षेत्र की रक्षा के लिए नर गैंडा हमेशा तैयार रहते हैं।

रोचक तथ्य (Interesting Facts)

* गैंडे की त्वचा सूरज की रौशनी से जलने लगती है, जिसे बचाव के लिए वे ढंडे पानी में बैठना पसंद करते हैं।
* बच्चा पैदा करने के शुरूआती कुछ हफ्तों में मादा गैंडा 18 से 25 लीटर दूध रोजाना देती हैं।
* गैंडा का बच्चा जन्म के पहले दिन से ही पानी में अच्छी तरह तैर सकता है।
* गैंडा 48 कि.मी. प्रति घंटे अधिकतम रफ्तार से दौड़ सकते हैं।
* गैंडे के शरीर पर बाल नहीं होते हैं।

विश्व गैंडा दिवस/World Rhino Day

22nd September

वर्ष 2010 में **World Wildlife Fund- South Africa** के द्वारा विश्व गैंडा दिवस मनाने की योजना बनाई गई। तत्पश्चात् वर्ष 2011 में जिम्बाबवे तथा अन्य देश के लोगों ने भी विश्व गैंडा दिवस पर बल दिया तथा इसे मनाया गया। इसके उपरान्त 22 सितम्बर को विश्व के अन्य देशों में भी सरकार तथा संस्थानों के द्वारा विश्व गैंडा दिवस मनाया जाने लगा। हमें भी इस दिन गैंडा जैसे बहुमूल्य प्राणी के संरक्षण तथा संवर्द्धन में अपना योगदान देना चाहिए।

पांच प्रजातियाँ

दुनिया में रहने वाले गैंडे की पांच प्रजातियों के नाम इस प्रकार है :

काला गैंडा (BLACK RHINOCEROS)
(Diceros bicornis)

Critically Endangered, about 5250 are surviving now.

सुमात्रण गैंडा (SUMATRAN RHINOCEROS)
(Dicerorhinus sumatrensis)

Fewer than 76 rhinos are believed to survive on the island of Sumatra with likely fewer than 10 animals remaining in Subah, Malaysia

भारतीय गैंडा (INDIAN RHINOCEROS)
(Rhinoceros unicornis)

Approximate 3264 are surviving.

जावन गैंडा (JAVAN RHINOCEROS)
(Rhinoceros sondaicus)

About 63 are surviving now, Found only in Indonesia

सफेद गैंडा (WHITE RHINOCEROS)
(Ceratotherium simum)

Near Threatened, about 20375 are surviving

गैंडा

गैंडा

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना
P.O. - G.P.O., पटना-800 001 (बिहार)
सम्पर्क : 0612-2217455
ईमेल- patnazoo@yahoo.com
website - www.zoopatna.com

© Sanjay Gandhi Biological Park, Patna

Ekksha Art & Print
+91 9431436534